**वर्ष : 2021-2022**

**पाठ्यक्रम विवरण : (जनवरी से अप्रैल**2022**)**

**पाठ्यक्रम :बी.ए. हिंदी विशेष**

**सत्र : छठा**

**पेपर : हिंदी रंगमंच**

**शिक्षक : डॉ. रेखा शर्मा**

**पाठ्यक्रम :बी.ए. हिंदी विशेष**

इकाई 1 : (क) पारंपरिक रंगमंच

(रामलीला, रासलीला, नौटंकी, विदेशिया, पंडवानी, अंकिया,माच, ख्याल, स्वांग का सामान्य परिचय)

(ख) प्राचीन भारतीय प्रदर्शन- परंपरा और आधुनिक रंगमंच

इकाई 2: हिंदी रंगमंच की विकास यात्रा

(क) स्वतंत्रता पूर्व: पारसी थियेटर ,भारतेंदु युगीन रंगमंच , माधव प्रसाद शुक्ल युगीन रंगमंच,पृथ्वी थिएटर

(ख) रंग प्रशिक्षण एवं रंग गतिविधियां, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

रंगमंडल भारत भवन ,भोपाल ,भारतेंदु नाट्य अकादमी, लखनऊ

इकाई 3 : आधुनिक हिंदी रंगमंच की विविध शैलियों : शैलीबद्ध, यथार्थवादी, एब्सर्ड तथा लोक शैली

इकाई 4: प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंग दृष्टि: राधेश्याम कथावाचक,श्यामानंद जालान सत्यदेव दुबे , ब.व. कारंत, इब्राहिम अल्काजी

**पाठ्यक्रम विवरण**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है विद्यार्थियों को रंगमंच का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना और हिंदी रंगमंच के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण विचार को के विचारों को समझना।

पारंपरिक और आधुनिक रंगमंच की समझ विकसित करना।

**शिक्षण समय : 14 सप्ताह (लगभग )**

**कक्षाएं : इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सप्ताह के 5 दिन प्रस्तुत समय सारणी द्वारा आयोजित की गई। विद्यार्थियों को विषय से संबंधित पुस्तकों की जानकारी प्रदान की गई साथ ही विषय से संबंधित विद्वानों द्वारा लिखित सामग्री भी दी गई।**

**इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :**

| **सप्ताह** | **विषय** |
| --- | --- |
| सप्ताह 1 | पारंपरिक रंगमंच: रामलीला ,रासलीला , अंकिया |
| सप्ताह 2 | पारंपरिक रंगमंच :माच, ख्याल ,स्वांग, पांडवानी |
| सप्ताह 3 | प्राचीन भारतीय प्रदर्शन परंपरा और आधुनिक रंगमंच |
| सप्ताह 4 | हिंदी रंगमंच की विकास यात्रा  स्वतंत्रता पूर्व :पारसी थिएटर ,भारतेंदु युगीन रंगमंच, पृथ्वी थिएटर तथा माधव शुक्ल युगीन रंगमंच |
| सप्ताह 5 | रंग प्रशिक्षण एवं रंग गतिविधियां ,राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली |
| सप्ताह 6 | **रंगमंडल भारत भवन, भोपाल ,भारतेंदु नाट्य अकादमी ,लखनऊ**  **पुनरावृति एवं सामूहिक चर्चा** |
| सप्ताह 7 | आधुनिक हिंदी रंगमंच की विविध शैलियां: शैली बद्ध, यथार्थवादी |
| सप्ताह 8 | आधुनिक हिंदी रंगमंच के विविध शैलियां एब्सर्ड और लोक शैली |
| सप्ताह 9 | प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंग दृष्टि: श्यामानंद जालान ,सत्यदेव दुबे |
| सप्ताह 10 | प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंग दृष्टि :ब.व.कारंत |
| सप्ताह 11 | प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंग दृष्टि: इब्राहिम अल्काजी |
| सप्ताह 12 | प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंग दृष्टि : राधेश्याम कथावाचक |
| सप्ताह 13 | विशेष व्याख्यान विविध रंग प्रस्तुतियों की समीक्षा( पाठ्यक्रम के संदर्भ में) |
| सप्ताह 14 | आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन |

सम्बंधित पुस्तकें :

* पारंपरिक भारतीय रंगमंच -कपिला वात्सायन
* परंपरा शील नाट्य: जगदीश चंद्र माथुर
* भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास -अज्ञात
* पारसी हिंदी रंगमंच- लक्ष्मी नारायण लाल
* नाट्य सम्राट पृथ्वीराज कपूर -जानकी वल्लभ शास्त्री
* आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच- लक्ष्मी नारायण लाल
* समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच -नरेंद्र मोहन
* पहला रंग- देवेंद्र राज अंकुर
* आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच- नेमीचंद जैन

अंकिया नाट-बिरंचि कुमार बरुआ( सं)

भिखारी ठाकुर: भोजपुरी के भारतेंदु -भगवत प्रसाद द्विवेदी

पांडवानी महाभारत की एक लोक नाट्य -शैली -निरंजन महायर